AMAR UJALA MY CITY Page 5 & 6

6 मई तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

लॉकडाउन बढ़ने की वजह से लविवि ने बढ़ाई सेमेस्टर कक्षाओं के परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लॉकडाउन के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर कक्षाओं के परीक्षा फॉर्म भरने की अवधि बिना किसी विलंब शुल्क के छह मई तक बढ़ा दी है। इससे पहले लविवि ने परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 20 अप्रैल तक बढ़ाई थी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि लॉकडाउन की वजह से परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख बढ़ाई गई है। ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने के लिए सभी विद्यार्थियों की नैड आईडी होनी अनिवार्य है। नैड आईडी बनाने के लिए विद्यार्थियों को विवि की वेबसाइट पर भी लिंक दिया गया है। परीक्षा फॉर्म भरने के बाद विद्यार्थियों को उसका प्रिंटआउट संबंधित कॉलेज में जमा करना होगा। कॉलेज के प्राचार्यों को ये प्रिंटआउट परीक्षा फीस के साथ नौ मई तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को उपलब्ध कराने होंगे।

वेबिनार : आईटी उद्योग में सबसे अधिक ट्रेंडिंग शब्द डेवऑप्स

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में शुक्रवार को बीटेक, एमसीए और बीसीए विषय के विद्यार्थियों के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैस्मीन कंबोज ने बताया की इस समय आईटी उद्योग में सबसे अधिक ट्रेंडिंग शब्द डेवऑप्स है। यह डेवलपमेंट और ऑपरेशन्स शब्दों का संयोजन है। यह एक सॉफ्टवेयर डवलपमेंट अप्रोच है, जिसकी मदद से बेहतर गुणवत्ता के सॉफ्टवेयर विकसित किया जा सकता है। कंबोज के अनुसार इसमें सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के विभिन्न चरणों जैसे निरंतर विकास, निरंतर एकीकरण, निरंतर परीक्षण, निरंतर तैनाती और निरंतर निगरानी शामिल हैं। डेवऑप्स का मुख्य उद्देश्य सिस्टम डेवलपमेंट लाइफ साइकिल की अवधि को कम करना है। उन्होंने बताया की ऑटोमोबाइल्स के डिजिटलाइजेशन में इसकी अहम भूमिका है। चालक रहित कार की परिकल्पना मजबूत नेविगेशन सिस्टम के कारण ही पूरी हो पायी है। कार को रास्ते की जानकारी नेविगेशन सिस्टम द्वारा मिलती है। सही रास्ता चुनने में नेविगेशन सिस्टम को लगातार अपडेट करना डेवऑप्स के माध्यम से ही किया जा सकता है। यह कोविड-19 की टेस्टिंग प्रक्रिया को तेज करने में सहायक है। इस टूल की वजह से कोविड-19 का टेस्ट करने वाली लैब्स की क्षमता 2400 टेस्ट प्रतिदिन बढ़ गई है। इसका संयोजन इंजीनियरिंग संकाय के समन्वयक प्रो.आरएस गुप्ता तथा हिमांशु पांडेय ने किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय का यौगिक एवं नेचुरोपैथी केंद्र ई-कंटेंट के जरिये दे रहा योग का प्रशिक्षण

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का योग एवं नैचुरोपैथी केंद्र लोगों को योगाभ्यास के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का प्रशिक्षण दे रहा है। लोगों को व्हाट्सएप और यू-ट्यूब चैनल के जरिये योगाभ्यास व संतुलित आहार की जानकारी दी जा रही है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार, कोरोना के इलाज के लिए अब तक कोई दवा नहीं है। डॉक्टरों के मुताबिक बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता से हम बीमारी से बच सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए यह निशुल्क सेवा शुरू की गई है। योग केंद्र के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव बताते हैं कि योग विद्या की मान्यता के अनुसार शरीर खुद एक बेहतर डॉक्टर है। रोग प्रतिरोधक क्षमता और स्वतः ठीक होने की क्षमता को विकसित करने के लिए योग महत्वपूर्ण साधन है। योग का अभ्यास शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक स्तर को विकसित करता है। इससे रक्त संचार, पाचन, पोषण, श्वसन से संबंधित क्रियाएं सुचारु रूप से चलने लगती हैं। डॉ. अमरजीत ने बताया कि ई-कंटेंट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसी कड़ी में आज हम आपके लिए लाए हैं बच्चों से लेकर युवाओं तक में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए उपयोगी योगासन और खानपान के बारे में...।

सात से 18 वर्ष आयु वर्ग के लिए

जंक फूड से बच्चों को रखें दूर

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए पवनमुक्तासन, जानुशीर्षासिन, शलभासन एवं हलासन विशेष रूप से प्रभावी हैं। इनके अभ्यास से बच्चों में रक्त संचार, नर्वस सिस्टम, श्वसन तंत्र, पाचन तंत्र से संबंधित क्रियाएं सुचारु रूप से काम करती हैं।

- **मुद्रा :** योग विद्या के अनुसार, मुद्रा के अभ्यास से मन पर नियंत्रण तथा इम्यूनिटी विकसित होती है, जिनमें ज्ञान मुद्रा और काकी मुद्रा का अभ्यास उपयोगी होता है।
- **जलनेति :** ऐसे बच्चे जिन्हें लगातार सर्दी और जुकाम की शिकायत रहती है। उन्हें जलनेति का अभ्यास करना लाभकारी होता है।

- **आहार :** बच्चों की इम्यूनिटी बनाए रखने के लिए कम मसालेदार और कम तेल के प्रयोग से तैयार किया गया भोजन देना चाहिए। जंकफूड और फास्टफूड से परहेज करना चाहिए।

- **प्राणायाम**

श्वास के जरिये ली गई ऑक्सीजन को प्राणवायु कहा जाता है, शरीर में ऑक्सीजन की समुचित मात्रा रहने पर प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रहती है। इसके लिये बच्चों को नाड़ी शोधन, भस्त्रिका तथा उज्जायी प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। इन अभ्यासों से फेफड़ों की कार्यक्षमता एवं रक्त में ऑक्सीजन का संचार बढ़ता है।

Hindustan Page 7 & 8

एलयू में कोविड-19 नए सत्र से कोर्स में शामिल

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

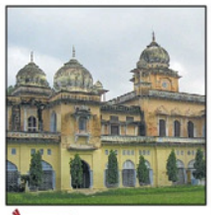

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब छात्रों को कोविड-19 के बारे में पढ़ाया जाएगा। छात्र न केवल इसकी उपत्ति के कारण बल्कि समाज पर इसके पड़ने वाले आर्थिक और सामाजिक कारणों को लेकर भी मंथन करेंगे। विश्वविद्यालय ने इसे बायोकेमेस्ट्री और इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ में शुरू करने का फैसला लिया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए सत्र से इसे लागू किया जा रहा है।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के बायोकेमेस्ट्री में क्लीनिकल बायोकेमेस्ट्री का एक पेपर है। इसमें छात्रों को बीमारियों के बारे में पढ़ाया जाता है। इसमें भारत में फैलने वाली बीमारी जैसे डेंगू, कोलरा के साथ विदेशों से आई बीमारी जैसे एचआईवी पढ़ाई जाती है। इसी में एक यूनिट कोविड-19 की भी शामिल की जा रही है। इस यूनिट में कोविड का बायोकेमेस्ट्री और उसके फैलने के बारे में पढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, इस पर लगातार हो रहे शोध कार्यों को भी शामिल किया जाएगा। बायोकेमेस्ट्री के अलावा विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ का संचालन किया जा रहा है। उसमें भी इसे शामिल किया जाएगा। यहां कोविड के आर्थिक परिणाम को भी जोड़ा जाएगा। कुलपति ने बताया कि सभी विभागों का नया सिलेबस बन चुका है। बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड से पास भी है। इसी नए सिलेबस में कुलपति के विशेषाधिकारों का इस्तेमाल करते हुए इसे जोड़ा जा रहा है। नए सत्र से इसकी पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी।

फैसला

- विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया लगाई मुहर
- बायोकेमेस्ट्री और पब्लिक हेल्थ में होगी इसकी पढ़ाई

7 पाठ्यक्रमों का डिजिटल मूल्यांकन

कुलपति ने बताया कि सात पाठ्यक्रमों का डिजिटल मूल्यांकन भी शुरू किया जा रहा है। इसमें, नवीन परिसर में संचालित विधि, आईएमएस के प्रबंधन कार्यक्रम, इंजीनियरिंग, पर्यटन, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ समेत सात पाठ्यक्रम शामिल हैं।आगे चरण में इसे अन्य पाठ्यक्रम में लागू किया जाएगा।

लविवि के निवेदिता छात्रावास से गरीबों के लिए भोजन के पैकेट भेजे गए।

लविवि कम्युनिटी किचन से बांटा भोजन

लखनऊ। लविवि की ओर से निवेदिता छात्रावास में चल रहे कम्युनिटी किचन से जरूरतमंदों को खाने के पैकेट वितरित किए गए। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की निगरानी में पिछले 12 दिन से रोजाना 1300 भोजन के पैकेट मलिन बस्तियों में पहुंचाए जा रहे हैं। यहां पर दोनों वक्त खाना बनता है। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग और हाईजीन का पूरा ख्याल रखा जा रहा है।

NBT Page 4

'डेवऑप्स टूल की मदद से कोविड-19 की टेस्टिंग तेज'

■ लखनऊः एलयू में फैकल्टी ऑफ इंजिनियरिंग के ट्रेनिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल की ओर से शुक्रवार को बीटेक, एमसीए व बीसीए के स्टूडेंट्स के लिए 'डेवऑप्स कल्चर ट्रांसफॉरमेशन मोर देन टेक्नॉलजी' विषय पर वेबिनार हुआ। इसमें एचपी कंपनी बेंगलुरु की स्पेशलिस्ट सॉफ्टवेयर इंजिनियर जैस्मीन कंबोज ने बताया की इस समय आईटी में ट्रेंडिंग शब्द डेवऑप्स है, जो डिवेलपमेंट-ऑपरेशन्स का संयोजन है। वहीं, डेवऑप्स टूल 'ओपनट्रोंस' की मदद से कोविड-19 की टेस्टिंग तेज की जा रही है।

AMRIT VICHAR Page 2

दी जानकारी | लविवि में आयोजित वेबिनार में एमसीए और बीएसए छात्रों को दिए गये सुझाव

आईटी उद्योग में डेओप्स का अधिक महत्व

अमृत विचार लखनऊ

आईटी उद्योग में सबसे अधिक ट्रेंडिंग शब्द डेओप्स है। ये शब्द डेवलपमेंट और ऑपरेशन्स दो शब्दों का एक संयोजन है। डेओप्स एक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट अप्रोच है, जिसकी मदद से आप बेहतर क्वालिटी के सॉफ्टवेयर को जल्दी और अधिक विश्वसनीयता के साथ विकसित कर सकते हैं।

ये जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित वेबिनार के दौरान विश्वविद्यालय के फैकेल्टी आफ इंजीनियरिंग की ओर से बीएसए और एमसीए के छात्रों को दी गयी। छात्रों को बताया गया कि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के विभिन्न चरणों जैसे निरंतर विकास, निरंतर एकीकरण, निरंतर परीक्षण, निरंतर तैनाती और निरंतर निगरानी शामिल है।

बता दें कि लॉकडाउन के चलते छात्रों की पढ़ाई न प्रभावित होने पाये इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से छात्रों के वेबिनार की शुरुआत की गयी है। वेबिनार मे निजी कंपनी के बेंगलुरु की स्पेशलिस्ट सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैस्मीन कंबोज ने बताया की डेओप्स की मदद से एक सिंगल टीम एप्लीकेशन डेवलपमेंट लाइफ साइकिल की पूरी प्रक्रिया (विकास, परीक्षण, परिनियोजन और निगरानी) का प्रबंधन करने में सक्षम होती है। इसका मुख्य उद्देश्य सिस्टम डेवलपमेंट लाइफ साइकिल की अवधि को कम करना है। उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल्स के डिजिटलाइजेशन में डेओप्स की अहम भूमिका है। चालक रहित कार की परिकल्पना मजबूत नेविगेशन सिस्टम के कारण ही पूरी हो पायी है। कार को रास्ते की जानकारी नेविगेशन सिस्टम द्वारा मिलती है। सही रास्ता चुनने में नेविगेशन सिस्टम को लगातार लेटेस्ट अपडेशन की जरूरत होती है जो कि इससे ही संभव है।

डिजिटल दुनिया में महत्वपूर्ण है डाटा

छात्रों को बताया गया कि डिजिटल दुनिया में, डाटा बेहद महत्वपूर्ण है। बैंक, अस्पताल, परिवहन आदि अधिकाश क्षेत्र अपना डाटा खोने का जोखिम नहीं उठा सकते है| किसी आपदा की स्थिति में वर्कलोड और डेटा को पोर्ट करने की आवश्यकता के समय स्टैंडबाय पर होने के कारण डेटा की रिकवरी में बहुत समय लगता है| डेओप्स ऑटोमेशन ऐसे मामलों में डेटा की तेजी से रिकवरी में मदद करता है।

कोविड-19 की टेस्टिंग में है सहायक

कोविड-19 की टेस्टिंग प्रक्रिया को तेज करने में भी डेओप्स टूल 'ओपनट्रोंस' की मदद ली जा रही है। इस टूल का उपयोग कैलिफ़ोर्निया और यूएस की कोविड-19 टेस्टिंग लैब में हो रहा है | इस टूल की वजह से कोविड-19 का टेस्ट करने वाली लैब्स की क्षमता 2400 टेस्ट प्रतिदिन बढ़ गई है| ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडे ने कहा कि मेडिकल क्षेत्र में DevOps के ऑटोमेटिंग नेचर के कारण, स्वास्थ्य सेवा प्रदाता तेजी से असाध्य रोगों के इलाज ढूंढने में सफल हो पा रहे हैं|

i-Next Page 4

क्लासेज के बाद अब तो मूल्यांकन भी ऑनलाइन

लखनऊ यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट में होगा ऑनलाइन मूल्यांकन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 April): लखनऊ यूनिवर्सिटी पहली बार मूल्यांकन कार्य को ऑनलाइन मोड में ले जाने की तैयारी कर रहा है. इस काम में एकेटीयू लखनऊ यूनिवर्सिटी का सहयोग करेगी.

लॉ से होगी शुरुआत

बीते गुरुवार को एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के सामने एग्जाम सिस्टम में सुधार के लिए प्रेजेंटेशन दिया था. जिसमें एलयू में डिजिटल मूल्यांकन किस सब्जेक्ट में पहले शुरू किया जा सकता है, इस पर विस्तार से चर्चा हुई थी. सूत्रों के अनुसार वीसी ने डिजिटल मूल्यांकन लॉ डिपार्टमेंट से शुरू करने पर सहमति दे दी है. सूत्रों के अनुसार लॉ में दूसरे कोर्सों की तरह कॉम्बिनेशन की कोई व्यवस्था नहीं है. यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में इसकी पढ़ाई भी एक जैसी होती है. ऐसे में डिजिटल मूल्यांकन में यहां किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी. लॉ के बाद बीटेक, बीबीए, बीसीए में भी यह प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है.

6 मई तक भरें फॉर्म

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी ने रेग्युलर और बैक पेपर फॉर्म न भर पाने वाले स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी ने राहत दी है. ये स्टूडेंट्स अब 6 मई तक अपने फॉर्म भर सकते है. पहले यह डेट 20 अप्रैल निर्धारित थी. स्टूडेंट्स 6 मई तक एग्जाम फॉर्म भर सकते है.

एलयू के टीचर्स कोरोना की देंगे जानकारी

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी की डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन संडे को पहली बार एलयू के इतिहास में ऑनलाइन सेमिनार कराने जा रही है. इस सेमिनार में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय स्टूडेंट्स को कोरोना से निपटने के उपाय स्टूडेंट्स को बताएंगे.

दी जाएंगी कई जानकारियां सेमिनार में प्रो. पूनम टंडन जहां सेमिनार के उद्देश्य की जानकारी देंगी, वहीं बायोलॉजी के एचओडी प्रो. सुधीर मेहरोत्रा कोरोना को लेकर लेक्चर देंगे. जूलॉजी विभाग की प्रो. मोनीषा बनर्जी करोना की मोलिकूलर बायोलॉजी व इंफेक्शन जानकारी देंगी. वहीं मैथमेटिक्स एवं एस्ट्रोनॉमी विभाग की डॉ. अलका मिश्रा कोरोना से सामने आए चैलेंजेज के बारे में बताएंगी.

पेपर ऑनलाइन समिट करें

एलयू 22 अप्रैल तक प्रश्नपत्र बनाने की प्रक्रिया फाइनल करने की योजना बना रहा है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि मई या जून में होने वाल एग्जाम के लिए प्रश्नपत्र सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपलोड करने होंगे. इसके लिए अगले सप्ताह सॉफ्टवेयर का डेमो होगा. प्रश्नपत्रों को अपलोड करने के लिए एक गाइडलाइन तय की जाएगी. प्रश्नपत्र अपलोड होने के बाद इन्हें माडरेट करन के लिए एक टीम रहेगी जो यह तय करेगी कि एग्जाम में कौन से प्रश्न पूछे जाएंगे. इस पूरी प्रक्रिया के लिए हर विभाग के टीचर को अपना लॉगइन और पासवर्ड बनाना होगा.

Pioneer Page 3

अब लविवि लॉ में शुरू करेगा ऑनलाइन मूल्यांकन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लाकडाउन में शिक्षण व्यवस्था के ऑनलाइन पटरी पर आने की कवायद को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय इस सेमेस्टर एग्जाम से अपने एग्जाम सिस्टम को एक स्टेप आगे लेकर जाने की तैयारी कर रहा है। यूनिवर्सिटी पहली बार एग्जाम के बाद मूल्यांकन कार्य को डिजिटल मोड में कराने की तैयारी में है।

इसके लिए यूनिवर्सिटी की तैयारियां अपने अंतिम चरण में है। लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने एग्जाम सिस्टम को सुधारने के लिए एकेटीयू के एग्जाम कंट्रोलर की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है। इसी कमेटी में एलयू के कुछ कोर्सेस के मूल्यांकन कार्य को डिजिटलाइन्ड करने की प्रक्रिया शुरू करने को है। इसके लिए एकेटीयू अपने यहां पर चल रहे डिजिटल मूल्यांकन की प्रक्रिया को एलयू में शुरू करने में सहयोग करेगा।

लॉ में सबसे पहले शुरू होगा डिजिटल मूल्यांकनः बीते गुरुवार को एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के सामने एग्जाम सिस्टम में सुधार लाने के लिए एक प्रेजेंटेशन दिया गया। जिसमें एलयू में डिजिटल मूल्यांकन को कैसे और किन कोर्सेस में पहले शुरू किया जा सकता है। इस बारे में विस्तार से चर्चा की गई। एलयू के सूत्रों का कहना है कि वीसी ने डिजिटल मूल्यांकन की प्रक्रिया को लॉ डिपार्टमेंट में शुरू कराने पर सहमति दी है। लॉ के कोर्स में एलयू के दूसरे कोर्सेस की तरह कॉम्बिनेशन की कोई व्यवस्था नहीं है। इस कोर्स में एलयू और सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों के स्टूडेंट्स एक ही तरह की पढ़ाई करते है। ऐसे में इस कोर्स में डिजिटल मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू करने में कोई दिक्कत नही होगी। इसके अलावा इस प्रक्रिया को बीटेकए बीबीएए बीसीए कोर्सेस में भी चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की तैयारी है।

एलयूः बैकपेपर परीक्षा फार्म छह मई तक भर सकेंगे छात्रः लखनऊ। कोरोना वायरस से उपस्थिति के बीच लागू लाक डाउन के चलते बैक पेपर परीक्षा फार्म न भर पाने वाले छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय में राहत प्रदान की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूर्व निर्धारित तिथि को विस्तारित करते हुए 6 मई कर दिया है।